

सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते ।

भयेभ्यस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते ॥ ५ ॥

sarva-svarūpe sarveśe sarva-śakti-samanvite ।

bhayebhyas trāhi no devi durge devi namostute ॥

(ああ、ジャガダンバよ、あなたへナマハ！)

ああ、すべての形を持ち、すべての神の統括者であり、すべての力を持つ女神よ！

恐れの数々から私たちを守ってください。

女神ドウルガーよ。あなたにナマハ！ ॥ 5 ॥

रोगानशेषानपहंसि तुष्टा । रुष्टा तु कामान्सकलानभीष्टान् ।

त्वामाश्रितानां न विपन्नराणाम् । त्वामाश्रिता ह्याश्रयतां प्रयान्ति ॥ ६ ॥

rogān aśeṣān apahaṃsi tuṣṭā । ruṣṭā tu kāmān sakalān abhiṣṭān ।

tvām āśritānāṃ na vipannarāṇām । tvām āśritā hy āśrayatāṃ prayānti ॥

(ジャガダンバよ、あなたへナマハ！)

(私たちの献身に)あなたが満足しているなら、あなたは私たちの病気を完全に破壊します(身体的および精神的)。

しかし、(私たちの利己的な振る舞いに)あなたが怒っているなら、あなたは私たちのすべての野心とその目的を破棄します。

あなたを拠り所とする人たちに、人生の不幸はありません。

あなたを拠り所とする人々は、拠り所であるあなたのもとに確実に到達します。 ॥ 6 ॥

सर्वबाधाप्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि ।

एवमेव त्वया कार्यम् अस्मद्वैरिविनाशनम् ॥ ७ ॥

sarva-bādhā-praśamaṇaṃ trailokyasya akhileśvari ।

evam eva tvayā kāryam asmad-vairivi-nāśanam ॥

(ジャガダンバよ、あなたにナマハ！)

ああ、三つの世界すべての女神よ。このように、あなたによって、私の敵の完全なる破壊があり、結果として全ての障害の鎮静がありますように。 ॥ 7 ॥

## 伝染病をしずめるためのチャンティング

सर्व-स्वरूपे <sup>1</sup> sarva-svarūpe 全ての形を持つ人よ	सर्व- ईशे <sup>2</sup> sarva- īše 全ての神々の統括者よ	सर्व-शक्ति-समन्विते <sup>3</sup> sarva-śakti- samanvite 全ての力を持つ人よ
---	--	---

भयेभ्यः <sup>4</sup> bhayebhyaḥ 数々の恐れから	नः <sup>6</sup> naḥ 私たちを	त्रहि <sup>5</sup> trahi 守ってください	देवि <sup>7</sup> devi 女神よ	दुर्गे <sup>8</sup> durgē ドゥルガよ	देवि <sup>9</sup> devi 女神よ	ते <sup>12</sup> te あなたに	नमः <sup>10</sup> namaḥ ナマハが	अस्तु <sup>11</sup> astu あります
---	--------------------------------	--	----------------------------------	---------------------------------------	----------------------------------	--------------------------------	------------------------------------	-------------------------------------

तुष्टा <sup>4</sup> tuṣṭā 満たされた (女神であるとき)	रोगान् <sup>1</sup> rogān 病の数々を	अशेषान् <sup>2</sup> aśeṣān 余すところなく	अपहंसि <sup>3</sup> apahaṃsi 破壊します
---	---------------------------------------	---	--

तु <sup>6</sup> tu しかし	रुष्टा <sup>5</sup> ruṣṭā 怒った (女神であるとき)	कामान् <sup>7</sup> kāmān 数々の願望を	सकलान् <sup>8</sup> sakalān 全てを	अभिष्टान् <sup>9</sup> abhiṣṭān 数々の野心を	(अपहंसि) (apahaṃsi) (破壊します)
------------------------------	---	--	---------------------------------------	--	-----------------------------------

त्वाम् <sup>10</sup> tvām あなたを	आश्रितानाम् <sup>11</sup> āśritānām 拠り所にする	नराणाम् <sup>14</sup> narāṇām 人たちの	विपत् <sup>13</sup> vipat 災難は	न <sup>12</sup> na ありません
--------------------------------------	--	--	-------------------------------------	--------------------------------

त्वाम् <sup>15</sup> tvām あなたを	आश्रयताः <sup>16</sup> āśrayatāḥ 拠り所にする人たちは	हि <sup>17</sup> hi 明らかに	अभीष्टान् <sup>18</sup> abhiṣṭān 拠り所であるあなたに	प्रयान्ति <sup>19</sup> prayānti 向います
--------------------------------------	---	--------------------------------	---	---

त्रैलोक्यस्य <sup>2</sup> trailokyasya 3つの世界の	अखिल-ईश्वरि <sup>3</sup> akhila-īśvari 全体の統括者よ
---	--

एवम् <sup>4</sup> evam このように	एव <sup>5</sup> eva 同様に	त्वया <sup>6</sup> tvayā あなたによって	सर्व-बाधा-प्रशमनम् <sup>1</sup> sarva-bādhā-praśamanam 全ての障害をしずめる事が	अस्मद्-वैरि-विनाशनम् <sup>8</sup> asmad-vairi-vināśanam 私の敵の完全なる破壊が	कार्यम् <sup>7</sup> kāryam 結果が (あります)
------------------------------------	-------------------------------	--	---	---	--

5

6

7